भारत सरकार
भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4586
23 मार्च, 2021 को उत्तर के लिए नियत

उद्योग 4.0 के लिए भारतीय कार्यक्रम

4586. श्री राजवीर सिंह (राजू भैय्या):
श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव:
श्री विनोद कुमार सोनकर:
डॉ. जयंत कुमार राय:
डॉ. सुकान्त मजूमदार:
श्री भोला सिंह:
श्री निशीथ प्रामाणिक:
श्री राजा अमरेश्वर नाईक:

क्या **भारी उद्योग और लोक उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः–

(क) क्या सरकार ने वैश्विक बाजार के लिए प्रतिस्पर्धी दरों पर उत्पाद बनाने हेतु तकनीक का प्रयोग करने के लिए उद्योग 4.0 भारतीय कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रित किया है;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस पर क्या कार्यवाही की गयी है;

(ग) क्या सरकार ने देश में स्मार्ट एडवांस मैन्यूफेक्चरिंग एंड रैपिड ट्रांसफॉर्मेशन हब (समर्थ) उद्योग भारत 4.0 की शुरुआत की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने समर्थ उद्योग भारत 4.0 के तहत प्रदर्शन केन्द्रों की मदद से वर्ष 2025 तक कुल जीडीपी का 25% प्राप्त करने का लक्ष्य भारतीय विनिर्माण उद्योग हेतु निर्धारित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने उद्योग 4.0 कार्यान्वयन के मॉडल का जर्मनी, फ्रांस, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका में परिचालन प्लेटफॉर्म के साथ उद्योग 4.0 में पूर्व प्रतिस्पर्धी सहयोग हेतु अध्ययन कराया है, जिससे महंगी श्रम शक्ति के स्थान पर कम लागत वाली श्रम शक्ति का उपयोग किया जा सके और परिवर्तन की कम लागत को प्राप्त किया जा सके; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री अर्जुन राम मेघवाल)

(क) से (च): भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता संवर्धन स्कीम के तहत भारी उद्योग विभाग (डीएचआई) ने अपनी पहल नामतः समर्थ (स्मार्ट एंड एडवांस्ड मैन्युफेक्चरिंग एंड रैपिड ट्रांसफॉर्मेशन हब) उद्योग के माध्यम से भारतीय विनिर्माताओं द्वारा उद्योग 4.0 और स्मार्ट विनिर्माण को अपनाने के लिए एक पारितंत्र के सृजन और इसे सुगम बनाने की पहल की है।

चार समर्थ उद्योग केन्द्र आईआईटी दिल्ली, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बैंगलूरू, केन्द्रीय विनिर्माणकारी प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएमटीआई), बैंगलूरू और किर्लोस्कर, पुणे में स्थापित किए गए हैं। उद्योगों ने समर्थ उद्योग पहल के तहत इन संस्थानों के साथ भागीदारी की है और उपर्युक्त केन्द्रों का निधियन विभाग (80%) तथा उद्योग भागीदारों (20%) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।

इन केन्द्रों के माध्यम से भारतीय उद्योग को स्मार्ट विनिर्माण अपनाने, अपनी पुरानी मशीनों का उन्नयन करने और नई प्रौद्योगिकियां तथा प्रक्रियाएं अपनाने के लिए उपलब्ध विकल्पों के प्रदर्शन के माध्यम से अवगत कराया जा रहा है।

वर्ष 2019-20 के दौरान इस विभाग ने औद्योगिक समूहों में सीआईआई, फिक्की, ईईपीसी और समर्थ उद्योग 4.0 के साथ मिलकर स्मार्ट विनिर्माण/उद्योग 4.0 के लिए 24 जागरुकता संगोष्ठियों का आयोजन किया। चालू वित्त वर्ष में, ये समर्थ उद्योग केन्द्र नैदानिक उपकरण उपलब्ध कराने तथा स्मार्ट विनिर्माण अपनाने हेतु उद्योग की सहायता करने के अलावा 88 वेबिनारों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं।

*****